वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 273 बुधवार 25 फरवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल से लैक्रोज खेल के खिलाड़ियों ने मुलाकात की: खेल प्रोत्साहन हेतु प्रदत्त वित्तीय सहायता के लिए आभार जताया

भारत ओलंपिक पदक के लिए खिलाड़ी अभी से करें तैयारी: बागड़े

राज्यपाल ने लैक्रोज को राज्य खेल में सम्मिलित करने हेतु कार्यवाही के दिये निर्देश

जयपुर. कासं

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि लैक्रोज खेल को राज्य खेल में सम्मिलित किए जाने और जनजातीय विभाग के अंतर्गत इस खेल प्रोत्साहन के लिए विशेष प्रावधान के हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को प्रस्ताव बनाकर भेजे जाने और त्वरित कार्यवाही किए जाने के भी निर्देश दिए हैं। राज्यपाल से मंगलवार को लोकभवन में लैक्रोज खेल के खिलाड़ियों ने मुलाकात की। उन्होंने राज्यपाल द्वारा अपने विवेकाधीन कोटे से लैक्रोज खेल प्रोत्साहन के अंतर्गत दिये जा रहे सहयोग के प्रति आभार जताया और इस खेल में भारत के उत्कृष्ट प्रदर्शन के बारे में अवगत कराया। राज्यपाल बागड़े ने लैक्रोज खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें ओलंपिक 2028 में भारत के लिए इस खेल में स्वर्ण पदक प्राप्त करने के लिए हौसला अफजाही की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी खेल के साथ साथ पढ़ाई को भी प्राथमिकता दें। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेलते समय जीत के लक्ष्य को केंद्र में रखने, चपलता के अंतर्गत निरंतर अभ्यास करने और एकाग्र होकर खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आह्वान किया। उन्होंने ओलंपिक से पहले अप्रैल में चीन में होने वाले खेलों में भी अच्छे प्रदर्शन और देश को गौरवान्वित किए जाने हेतु खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव कुंजीलाल मीणा, राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी, खेल संघ अध्यक्ष अशोक परनामी, प्रज्ञा केवलरमानी भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने पूर्व में खिलाड़ियों द्वारा इस खेल में राष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे बेहतर प्रदर्शन, राजस्थान की टीम को राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल लाने की सराहना भी की।

राज्यपाल से बिहार के मंत्री संजय कुमार सिंह ने मुलाकात की

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से मंगलवार को लोकभवन में बिहार के लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के मंत्री संजय कुमार सिंह ने मुलाकात की। राज्यपाल बागड़े से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

105 वर्ष

श्री वीर सेवक मण्डल, जयपुर

105 वर्ष प्राचीन दिगम्बर जैन समाज की स्वयंसेवी संस्था

विशाल होली स्नेह मिलन

भारतीय कला संस्थान, ब्रज (डीग) के कलाकारों द्वारा

चंग ढप की विशेष प्रस्तुति

फूलों की रंगारंग होली

रविवार, दिनांक 1 मार्च, 2026 • सांय 7.00 बजे

स्थान : भट्टारक जी की नसियाँ, जयपुर

आप सादर आमंत्रित है।

महेश काला
अध्यक्ष

भानु कुमार छाबड़ा
मानद् मंत्री

प्रदीप गोधा
उपाध्यक्ष

सुरेश भौंच
संयुक्त मंत्री

राकेश छाबड़ा
कोषाध्यक्ष

शरद बाकलीवाल
स्टोर इंचार्ज

कार्यकारिणी सदस्य

अरुण कोड़ीवाल • नरेश कासलीवाल • अतुल बोहरा • योगेश टोडरका • महेश बाकलीवाल

सहवृत्त सदस्य

निर्मल पाटनी • मितेश ठोलिया • पंकज अजमेरा "दातारामगढ़" • सौरभ गोधा

विशेष आमंत्रित

ओमप्रकाश बड़जात्या • सौभागमल जैन • सिद्धार्थ बड़जात्या • कान्ति चन्द नृपत्या

नरेश कासलीवाल
संयोजक

आर्यिका रत्न श्री विनतश्री माताजी का सुभाष नगर में भव्य मंगल प्रवेश; गुरु सेवा संघ ने कराया 75 किमी का विहार

भीलवाड़ा (रोहित जैन)

गणाचार्य 108 श्री विराग सागर जी महाराज की सुयोग्य शिष्या, आर्यिका रत्न 105 श्री विनतश्री माताजी ससंघ का सुभाष नगर स्थित श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। गुरु सेवा संघ के तत्वावधान में आयोजित यह मंगल विहार झाबड़ा फैक्ट्री से प्रारंभ होकर अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मंदिर परिसर तक पहुँचा।

भक्तिमय अगवानी और सहयोग

माताजी के विहार को सुचारू बनाने और अगवानी करने में गुरु सेवा संघ के सेवादारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान अभिषेक पाटोदी, जय लुहाड़िया, रविंद्र जैन, प्रेम संदीप और अशोक जैन ने व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। श्रद्धालुओं ने मार्ग में माताजी की पाद-प्रक्षालन कर और आरती उतारकर उनकी भव्य अगवानी की।

तीन दिनों में 75 किलोमीटर का कठिन विहार

गुरु सेवा संघ के प्रचार-प्रसार मंत्री सुमित जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि संघ द्वारा आर्यिका रत्न 105 श्री विनतश्री माताजी ससंघ एवं गणिनी आर्यिका श्री 105 विज्ञाश्री माताजी का विहार अत्यंत कुशलता से संपन्न कराया जा रहा है। गुरु सेवा संघ के समर्पण भाव के चलते मात्र तीन दिनों के अल्प समय में ही माताओं का 75 किलोमीटर का लंबा विहार सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ। सुभाष नगर पहुँचने पर समाज के विभिन्न संगठनों और स्थानीय निवासियों ने माताजी के दर्शन कर धर्म लाभ लिया। मंदिर में प्रवेश के पश्चात मांगलिक क्रियाएँ संपन्न हुईं, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो गया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गंगापुर सिटी की वर्ष 2026-27 कार्यकारिणी घोषित

नरेंद्र जैन नृपत्या अध्यक्ष, महेश जैन सचिव एवं सुभाष सौगानी बने कोषाध्यक्ष

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गंगापुर सिटी की वर्ष 2026-27 की नवीन कार्यकारिणी के लिए मुख्य पदाधिकारियों का मनोनयन सर्वसम्मति से किया गया। मनोनयन समिति के संयोजक विमल गोधा ने आगामी सत्र हेतु अध्यक्ष पद पर ग्रुप के वरिष्ठ सदस्य नरेंद्र जैन नृपत्या, सचिव पद पर महेश जैन तथा कोषाध्यक्ष पद पर सुभाष सौगानी के मनोनीत किए जाने की घोषणा की। चुनाव समिति ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को शीघ्र ही पूर्ण कार्यकारिणी की घोषणा करने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गंगापुर सिटी की स्थापना वर्ष 2007-08 में की गई थी तथा ग्रुप की कार्यकारिणी का चुनाव प्रत्येक दो वर्ष में किया जाता है। ग्रुप सामाजिक सेवा गतिविधियों के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। रेलवे स्टेशन पर ग्रीष्मकाल के दौरान रेल यात्रियों के लिए प्रतिवर्ष निशुल्क जल सेवा संचालित करना इसकी प्रमुख पहचान रही है। हाल ही में ग्रुप के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं नव मनोनीत अध्यक्ष नरेंद्र जैन नृपत्या तथा वरिष्ठ सदस्य रेलवे के एक्सईएन अनिल जैन के प्रयासों से श्री महावीर जी रेलवे स्टेशन के बाहर गोल सर्कल में भारत सरकार एवं रेल मंत्रालय की अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत भगवान महावीर स्वामी की 42 इंच ऊंची कांस्य धातु की पद्मासन प्रतिमा स्थापित की गई है। यह प्रतिमा बंसी पहाड़पुर के पत्थरों से निर्मित कलात्मक छतरी के भीतर विराजमान की गई है, जिसका शीघ्र ही लोकार्पण प्रस्तावित है। इस कार्य के कारण ग्रुप राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। छतरी निर्माण एवं प्रतिमा स्थापना के अवसर पर ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी, उद्योगपति अमित कासलीवाल, वर्तमान अध्यक्ष राकेश विनायक, महामंत्री विनय जैन सहित दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सैकड़ों सदस्य उपस्थित रहे। इसके साथ ही श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, महामंत्री सुभाष चौधरी, संयुक्त मंत्री पी.के. जैन, प्रसिद्ध जैन वास्तुकार राजकुमार कोठारी सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने निर्माण कार्य का अवलोकन किया और इसके साक्षी बने। नव पदाधिकारियों के चयन के अवसर पर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुमेर जैन सोनी, अध्यक्ष कृष्ण कुमार जैन, दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष प्रवीण जैन गंगवाल, जिला शिक्षा अधिकारी रमेश जैन, मनोज जैन साह, राजेंद्र गंगवाल, मंगल जैन, निलेश जैन, शशि जैन सहित दर्जनों सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर नव मनोनीत पदाधिकारियों का माला पहनाकर, दुपट्टा एवं साफा ओढ़ाकर तथा तिलक लगाकर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया तथा सभी ने उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

दुनिया

ईरान की खाड़ी में फंसी ट्रंप की रणनीति

ओंकारेश्वर पांडेय

रूस, चीन और ईरान के बढ़ते सामरिक सहयोग ने पश्चिम एशिया में तनाव को नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को दी गई 10-15 दिन की समयसीमा अब वैश्विक राजनीति की टिक-टिक करती घड़ी बन चुकी है। यदि परमाणु समझौते पर सहमति नहीं बनती, तो होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे बड़े संकट का केंद्र बन सकता है। इसका असर केवल अमेरिका या ईरान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भारत सहित पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और नागरिक उड्डयन पर पड़ेगा। 16 फरवरी 2026 को रूस, चीन और ईरान ने होर्मुज क्षेत्र में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास मैरीटाइम सिक्योरिटी बेल्ट-2026 शुरू किया। यह अभ्यास 2019 से जारी शृंखला का हिस्सा है, लेकिन इस बार इसका संदेश स्पष्ट है अमेरिका के नेतृत्व वाली पश्चिमी व्यवस्था के मुकाबले एक नया सामरिक ध्रुव उभर रहा है। रूस के सुरक्षा सलाहकार निकोलाई पेत्रुशेव ने इसे ब्रिक्स के समुद्री आयाम से भी जोड़ा, जिससे संकेत मिलता है कि भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब समुद्री मार्गों तक पहुंच चुकी है। अमेरिका ने भी जवाब में अपनी सैन्य मौजूदगी अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ा दी है। विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन अरब सागर में तैनात है, जबकि दुनिया का सबसे बड़ा कैरियर यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड भूमध्य सागर पहुंच चुका है। कतर और जॉर्डन के एयरबेस पर लड़ाकू विमान और हथियार पहुंचाए जा रहे हैं। ट्रंप का संदेश साफ है कि यदि समझौता नहीं हुआ, तो सैन्य विकल्प तैयार हैं। इसके जवाब में ईरान ने भी सख्त चेतावनी दी है। सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई ने कहा कि अमेरिकी युद्धपोतों को समुद्र की तलहटी में भेजा जा सकता है। ईरान की ताकत उसका भूगोल और मिसाइल क्षमता है। दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल की आपूर्ति होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरती है, जिसकी चौड़ाई कई स्थानों पर मात्र 40 किलोमीटर है। ईरान के पास 300 से 700 किलोमीटर रेंज वाली एंटी-शिप मिसाइलें हैं, जो समुद्री यातायात और युद्धपोतों के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं। संभावित युद्ध का सबसे बड़ा असर नागरिक उड्डयन और वैश्विक व्यापार पर पड़ेगा।

संपादकीय

तकनीकी संप्रभुता की नई भोर

भारत और अमेरिका के बीच अर्धचालक (सेमीकंडक्टर) तथा उन्नत तकनीकी सहयोग को लेकर हुआ हालिया करार केवल एक द्विपक्षीय समझौता नहीं है, बल्कि यह बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन, तकनीकी प्रभुत्व और आर्थिक सुरक्षा की दिशा में एक निर्णायक कदम है। इक्कीसवीं सदी में अर्धचालक आधुनिक दुनिया की रीढ़ बन चुके हैं। दूरभाष यंत्रों से लेकर प्रक्षेपास्त्र प्रणालियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक, हर क्षेत्र में सूक्ष्म-

चिप्स की अनिवार्यता ने इसे भू-राजनीति का केंद्र बना दिया है। विगत वर्षों में वैश्विक आपूर्ति शृंखला की कमजोरियां स्पष्ट रूप से सामने आई हैं। कुछ गिने-चुने देशों पर अत्यधिक निर्भरता ने पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने का जोखिम पैदा कर दिया है। इसी पृष्ठभूमि में भारत जैसे लोकतांत्रिक और स्थिर बाजार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। अमेरिका के साथ यह साझेदारी भारत को न केवल तकनीकी ज्ञान और निवेश उपलब्ध कराएगी, बल्कि उसे वैश्विक मानकों के अनुरूप एक 'भरोसेमंद आपूर्ति शृंखला' का अनिवार्य स्तंभ भी बनाएगी। भारत अब तक मुख्य रूप से चिप के रूप-रेखा निर्माण और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं तक सीमित था। अत्याधुनिक निर्माण और कच्चे माल की शुद्धता के क्षेत्र में देश पीछे रहा है। यह समझौता इस कमी को दूर करने की दिशा में बड़ा संकेत है। अर्धचालक निर्माण के लिए आवश्यक दुर्लभ खनिजों पर वर्तमान में कुछ विशिष्ट देशों का नियंत्रण है, जो रणनीतिक जोखिम पैदा करता है। भारत-अमेरिका सहयोग इस निर्भरता को कम करने और वैकल्पिक स्रोत विकसित करने में सहायक होगा। आर्थिक दृष्टि से, यह करार भारत के लिए रोजगार के अपार अवसर खोलेगा। एक निर्माण इकाई के स्थापित होने से पूरा एक औद्योगिक परिवेश विकसित होता है, जिसमें अनुसंधान संस्थान और नए उद्यम शामिल होते हैं। यह भारत की युवा शक्ति को वास्तविक आर्थिक शक्ति में बदलने का माध्यम बन सकता है। अर्धचालक निर्माण एक अत्यंत जटिल और भारी निवेश वाली प्रक्रिया है। भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिकने के लिए उत्कृष्ट बुनियादी ढांचे, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, जल की उपलब्धता और उच्च-कुशल श्रमबल सुनिश्चित करना होगा। इसके अलावा, तकनीकी हस्तांतरण और बौद्धिक संपदा अधिकारों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों पर भी संतुलित समाधान आवश्यक होंगे। भारत के लिए वास्तविक सफलता तभी संभव है जब वह केवल विदेशी कंपनियों के लिए उत्पादन स्थल बनने के बजाय नवाचार-आधारित आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े। इसके लिए विश्वविद्यालयों और उद्योगों के बीच गहरा तालमेल और अनुसंधान पर केंद्रित निवेश अनिवार्य है। यह करार एक स्पष्ट संदेश देता है कि लोकतांत्रिक देश तकनीकी आपूर्ति को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए एकजुट हो रहे हैं। भारत को अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि वह स्वयं को केवल एक बड़े बाजार के रूप में नहीं, बल्कि एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित करे।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

शादी की बदलती तस्वीर

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय समाज में विवाह को केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि एक पवित्र सामाजिक और आध्यात्मिक संस्था माना गया है। यह जीवनभर के साथ, आपसी संबल और सामाजिक स्थिरता की आधारशिला रही है। परंतु, पिछले कुछ वर्षों में इस संस्था का स्वरूप और आत्मा—दोनों में चिंताजनक बदलाव आए हैं। आज शादी का अर्थ 'साथ निभाने के संकल्प' से अधिक 'सामाजिक प्रदर्शन' और 'प्रतिष्ठा की होड़' होता जा रहा है। इसी का परिणाम है कि रिश्ते कमजोर हो रहे हैं और तलाक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। आज एक कड़वी सच्चाई यह है कि लोग विवाह समारोहों पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च कर रहे हैं, लेकिन उसी रिश्ते के कुछ महीनों तक चलने की कोई गारंटी नहीं रह गई है। आंकड़ों के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में लगभग 40 से 50 प्रतिशत वैवाहिक रिश्ते तनावपूर्ण हैं या अलगाव की कगार पर हैं। यह केवल व्यक्तिगत विफलता नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक संकट है।

दिखावे की संस्कृति और सोशल मीडिया

इस संकट का सबसे बड़ा कारण 'दिखावे की संस्कृति' है। शादी अब एक निजी निर्णय के बजाय एक भव्य आयोजन बन चुकी है, जहाँ भव्य होटल, महंगे परिधान और 'डेस्टिनेशन वेडिंग' प्राथमिकता बन गए हैं। लोग इस पर अधिक समय खर्च करते हैं कि इंस्टाग्राम पर तस्वीरें कैसी दिखेंगी या मेहमान कितने प्रभावित होंगे, लेकिन इस पर विचार नहीं करते कि जिस व्यक्ति के साथ जीवन बिताना है, उसके विचार और स्वभाव कैसे हैं। सोशल मीडिया ने एक आदर्श छवि का भ्रम पैदा कर दिया है। जब विवाह के बाद वास्तविकता सामने आती है, तो वही भ्रम टकराव और असंतोष का कारण बनता है। रिश्तों के टूटने का दूसरा प्रमुख कारण धैर्य की कमी और अहंकार की अधिकता है। आज के समय में लोगों की सहनशीलता का स्तर न्यूनतम हो चुका है, जबकि ईगो का स्तर चरम पर है। मैं ही क्यों समझौता करूँ? जैसी सोच रिश्तों को खोखला कर रही है। पहले परिवारों में समस्याओं को सुलझाने का प्रयास किया जाता था, लेकिन आज 'उपभोक्तावादी मानसिकता' के कारण रिश्तों को निभाने के बजाय उन्हें बदल देना आसान समाधान माना जाने लगा है।

बदलते पारिवारिक और सामाजिक समीकरण

संयुक्त परिवार प्रणाली का टूटना भी एक बड़ा कारक है। सामूहिक जीवन में बच्चे बड़ों को देखकर त्याग और जिम्मेदारी सीखते थे, लेकिन एकल परिवारों में पले-बढ़े युवाओं में अक्सर वह व्यवहारिक प्रशिक्षण नहीं मिल पाता। वहीं, आर्थिक आत्मनिर्भरता ने जहाँ महिलाओं को सशक्त किया है, वहीं आपसी अपेक्षाओं के टकराव को भी जन्म दिया है। बराबरी का अर्थ 'सहयोग' होना चाहिए था, लेकिन कई बार यह 'प्रतिस्पर्धा' में बदल जाता है। इसके अलावा, बेहतर विकल्प की तलाश वाली अस्थिर सोच भी विवाह जैसी स्थायी संस्था को कमजोर कर रही है।

आत्ममंथन की आवश्यकता

यदि यह प्रवृत्ति निरंतर बढ़ती रही, तो समाज की सबसे छोटी और महत्वपूर्ण इकाई—परिवार—अत्यधिक कमजोर हो जाएगी। समस्या विवाह की संस्था में नहीं, बल्कि हमारी प्राथमिकताओं में है।

धर्म का वास्तविक अर्थ और हमारी तंद्रा

नितिन जैन

धर्म का मूल अर्थ कभी भी बाहरी आडंबर, भीड़, चंदा, जयकारे या दिखावे तक सीमित नहीं था। धर्म का सीधा और सरल अर्थ है—मोह-माया की गहरी नींद से जागना। स्वयं के भीतर झाँकना, अपने दोषों का अवलोकन करना, अपने अहंकार को पहचानना और सत्य के कठिन मार्ग पर अडिग चलना ही धर्म की वास्तविक परिभाषा है। धर्म हमें चैतन्य करने के लिए था, परंतु विडंबना यह है कि आज वही धर्म हमें 'सुलाने' का माध्यम बन गया है। आज लोग धर्म के नाम पर 'भावनात्मक अफीम' का सेवन कर संतुष्ट बैठे हैं, मानो किसी विशाल आयोजन का हिस्सा बन जाना ही आत्मकल्याण का अंतिम प्रमाण हो। धर्म का उत्तरदायित्व हमें सजग बनाना था, लेकिन हम केवल भीड़ का हिस्सा बनकर रह गए हैं। पहले मनुष्य संसार के मोह में सोता था, अब वह तथाकथित 'धार्मिक मोह' की तंद्रा में है। पहले वह लौकिक लोभ में उलझा था, अब वह धार्मिक पद, प्रतिष्ठा और पाखंड के जाल में जकड़ा हुआ है। जैसे-जैसे मंदिर भव्य हुए और आयोजन विशाल होते गए, मनुष्य का अंतर्मन उतना ही संकुचित होता चला गया। धर्म का वास्तविक उद्देश्य 'आंतरिक क्रांति' था, जिसे हमने 'बाहरी प्रदर्शन' में रूपांतरित कर दिया है। जब धर्म जागृति के स्थान पर नशा बन जाए, तो समझ लेना चाहिए कि हम दिशा से भटक चुके हैं। सच्चा धर्म भीड़ के साथ बहना नहीं, बल्कि सत्य के पक्ष में खड़ा होना है। यह किसी व्यक्ति विशेष की अंधभक्ति नहीं, बल्कि शाश्वत सिद्धांतों के प्रति निष्ठा है। यदि धर्म हमें प्रश्न पूछने से रोक दे, यदि धर्म के नाम पर भय का वातावरण निर्मित किया जाए, या यदि धर्म के नाम पर अन्याय को सहन करने की शिक्षा दी जाए, तो वह धर्म नहीं अपितु 'मानसिक जड़ता' है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम धर्म को पुनः परिभाषित करें। धर्म हमें जगाने आया था, सुलाने नहीं। वह हमें निर्भय बनाने आया था, निर्बुद्धि अनुयायी बनाने नहीं। जब तक हम अपनी आंतरिक चेतना को प्रज्वलित नहीं करेंगे, तब तक धर्म केवल एक जड़ परंपरा बनकर रह जाएगा। समय आ गया है कि हम धार्मिक नशे के मायाजाल से बाहर निकलें और धर्म के वास्तविक, प्रकाशमान स्वरूप को आत्मसात करें।

नितिन जैनः संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल, संपर्क : 215635871

ओसवाल सभा उदयपुर की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का भव्य शपथ ग्रहण एवं होली स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न

राष्ट्र संत ललित प्रभु जी म.सा. एवं मुनि डॉ. शांति प्रिय जी म.सा. के सान्निध्य में ऐतिहासिक आयोजन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

मेवाड़ की धरा पर ओसवाल समाज के इतिहास में रविवार का दिन स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया, जब ओसवाल सभा उदयपुर की वर्ष 2026-2029 की नव निर्वाचित कार्यकारिणी का भव्य एवं गरिमामय शपथ ग्रहण समारोह सेक्टर-4, हिरण मगरी स्थित विद्या निकेतन स्कूल परिसर में आयोजित हुआ। आध्यात्मिक ऊर्जा और सामाजिक एकता से परिपूर्ण इस समारोह में लगभग 4000 से अधिक सकल जैन समाजबंधुओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ ओसवाल सभा के प्रधान प्रकाश चन्द्र कोठारी द्वारा नव निर्वाचित 51 सदस्यीय टीम के साथ ध्वज लहराते हुए पांडाल में भव्य प्रवेश के साथ हुआ। समारोह का सबसे गौरवपूर्ण क्षण तब आया, जब राष्ट्र संत ललित प्रभु जी म.सा. एवं मुनि डॉ. शांति प्रिय जी म.सा. के पावन सान्निध्य में शपथ ग्रहण प्रक्रिया सम्पन्न हुई। ओसवाल सभा के इतिहास में पहली बार किसी राष्ट्र संत ने स्वयं कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। इस अवसर पर राष्ट्र संत ललित प्रभु जी म.सा. ने कहा कि यह केवल शपथ नहीं, बल्कि 'पच्खाण' है, जिसे पूर्ण जिम्मेदारी और समर्पण के साथ निभाना होगा। राष्ट्र संत ललित प्रभु जी म.सा. ने अध्यक्ष (प्रधान) प्रकाश चन्द्र कोठारी एवं सचिव डॉ. प्रमिला जैन के नेतृत्व में मुख्य कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष अभिषेक पोखरना, कोषाध्यक्ष धीरज भाणावत, सह सचिव कमल कोठारी, भंडार संरक्षक सुनील मेहता एवं ऑडिटर प्रवीण मेहता सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने दायित्व ग्रहण किया। कार्यकारिणी में डॉ. प्रिया मेहता, भाग्यश्री गन्ना, रेखा मेहता, पी.सी. कोठारी, श्वेता मेहता, कल्याण जारोली, रानू मेहता, अशोक नागौरी, राहुल दक, ललित कुमार जैन (मोगरा) एवं आनंदीलाल बम्बोरिया (पूर्व सचिव) शामिल रहे। मुनि डॉ. शांति प्रिय जी म.सा. ने कार्यपरिषद एवं मनोनीत सदस्यों को समाज सेवा, पारदर्शिता एवं संगठन सुदृढ़ीकरण का संकल्प दिलाया। अनुशासन समिति, महिला प्रकोष्ठ, श्रेष्ठी जन प्रकोष्ठ, सेवा सहयोग समिति, वित्त एवं दान समिति, मीडिया-प्रकाशन, लीगल एवं एजुकेशन, धार्मिक यात्रा, सदस्यता अभियान, वैयावच्च समिति, सोशल मीडिया, सामाजिक सुधार, उद्यम, स्पोर्ट्स, नव निर्माण, प्रोफेशनल प्रकोष्ठ, युवा एवं महिला मंच सहित विभिन्न समितियों के पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण कर समाज सेवा का संकल्प लिया। उल्लेखनीय है कि नई कार्यपरिषद में लगभग 30 प्रतिशत महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शहर विधायक ताराचंद जैन उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में दिनेश खोड़निया, प्रमोद सामर, पारस सिंघवी, अरुण मांडोत, महावीर चपलोत, मनोहर सिंह नलवाया एवं यशवंत आंचलिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का मेवाड़ी पगड़ी, उपरणा एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में चुनाव अधिकारी दिनेश कोठारी (पूर्व आयुक्त, नगर निगम उदयपुर) एवं उनकी टीम का विशेष अभिनंदन किया गया। साथ ही समाजसेवी कोठारी परिवार की मुखिया शतायु पान बाई श्रीलाल कोठारी एवं उनके परिवार का भी सम्मान किया गया, जो इस आयोजन के मुख्य प्रायोजक रहे। सायं आयोजित होली स्नेह मिलन कार्यक्रम में समाजबंधुओं के लिए भोजन व्यवस्था की गई। पंकज भंडारी एवं उनके साथियों ने भक्ति संगीत की प्रस्तुतियां देकर भक्ति संध्या को भावपूर्ण बना दिया। सायं 7 बजे विधिवत शपथ ग्रहण समारोह प्रारंभ हुआ, जिसके पश्चात राष्ट्र संतों के प्रेरक प्रवचन हुए। अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रकाश चन्द्र कोठारी ने कहा कि यह केवल पद ग्रहण नहीं, बल्कि समाज सेवा और जवाबदेही का संकल्प है। उन्होंने समाज को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का आह्वान करते हुए शहर की चारों दिशाओं में ओसवाल सभा भवन स्थापित करने तथा 10 से 20 बीघा भूमि क्रय करने की कार्ययोजना की घोषणा की। सचिव डॉ. प्रमिला जैन ने महिला नेतृत्व को समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया। पूर्व सह सचिव मनीष नागौरी ने गत कार्यकाल का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन आलोक पगारिया ने किया, जिसकी सभी ने सराहना की। अंत में उपाध्यक्ष अभिषेक पोखरना ने धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया। यह आयोजन संगठनात्मक एकता, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभरा।

भगवान 1008 श्री संभवनाथ गर्भ कल्याणक के साथ सिद्धचक्र महामंडल विधान का विधि-विधान से शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, एसएफएस राजावत, मानसरोवर में अष्टानिका महापर्व के पावन अवसर पर भगवान 1008 श्री संभवनाथ भगवान के गर्भ कल्याणक के साथ सिद्धचक्र महामंडल विधान का विधि-विधानपूर्वक शुभारंभ किया गया। प्रातःकाल मंदिर परिसर में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रातः 6:30 बजे नित्य नियम अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा का आयोजन किया गया, जिसे श्री विनोद जीझरेखा जी गोधा तथा श्री महेंद्र जीझ विमला जी लुहड़िया परिवार द्वारा श्रद्धापूर्वक संपन्न कराया गया। इसके पश्चात स्वाध्याय मंडल के अध्यक्ष कैलाशचंद एवं कमलचंद टोंग्या द्वारा मंत्रोच्चारण एवं विधि-विधान के

साथ पूजन में बैठने वाले सभी श्रावक-श्राविकाओं का सकलीकरण एवं शुद्धिकरण कराया गया। मंडल विधान पर श्री धर्मेंद्र जैन, कैलाशचंद जी एवं बीना देवी जैन द्वारा कलश स्थापना कर विधान पूजन का शुभारंभ किया गया। पूजन की मंगलमय शुरूआत श्री सुनील बज के मधुर भक्ति स्वरों के साथ संपन्न हुई, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा। मंदिर समिति के महामंत्री सौभागमल जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि अष्टानिका पर्व वर्ष में तीन बार—आषाढ़, फाल्गुन और कार्तिक मास में आता है। इस पर्व के दौरान मुख्य रूप से सिद्धचक्र विधान अथवा नंदीश्वर विधान का आयोजन किया जाता है। शास्त्रों के अनुसार सिद्धचक्र मंडल विधान मैना सुंदरी द्वारा श्रीपाल जी सहित लगभग 700 कुष्ठ रोगियों के रोग निवारण के लिए किया गया था, जिसमें कुल 2040 अर्घ्य अर्पित किए जाते हैं और अनंत सिद्ध परमेष्ठी की आराधना की जाती है। उन्होंने बताया कि विधान के प्रथम दिवस मंडल पर 8 अर्घ्य अर्पित किए गए। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से सहभागिता करते हुए पुण्यार्जन किया तथा धर्म आराधना का लाभ प्राप्त किया।

भक्तिमय अनुष्ठानों के बीच मनाई गई विवाह की स्वर्ण जयंती

शांति विधान और रजत छत्र अर्पण से गूंजा जनकपुरी जैन मंदिर

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी के जनकपुरी क्षेत्र में मंगलवार को एक अनूठा और प्रेरणादायी आयोजन संपन्न हुआ। देव-शास्त्र-गुरु के अनन्य भक्त श्रेष्ठी सुभाष चंद जी एवं मिथलेश जी जैन (गर्ग) ने अपने वैवाहिक जीवन की 50वीं वर्षगाँठ (स्वर्ण जयंती) को भौतिक तड़क-भड़क के बजाय आध्यात्मिक भक्ति के साथ मनाया। श्री दिगंबर जैन मंदिर, जनकपुरी में आयोजित इस मांगलिक प्रसंग में परिवार, समाज और इष्ट मित्रों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की।

अभिषेक, शांतिधारा और रजत छत्र समर्पण

साधुवाद के इस अवसर पर प्रातः काल मूलनायक भगवान नेमिनाथ का विधि-विधान से अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। इस पावन बेला पर परिवार द्वारा वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर की प्रतिमा पर सुख-समृद्धि और मंगल आशीर्वाद के प्रतीक के रूप में भव्य तीन रजत छत्र समर्पित किए गए। पूजन और विधान की समस्त क्रियाएँ पंडित प्रकाश शास्त्री द्वारा भक्तिमय वातावरण में संपन्न कराई गईं। पुत्र राजेश जैन एवं पुत्रवधू निशा जैन ने बताया कि विधान के दौरान प्रत्येक श्लोक और वलय खंड पर श्रद्धालुओं द्वारा अष्ट द्रव्य के साथ श्रीफल

समर्पित किए गए। फिरोजपुर झिरका से पधारे अतिथियों और स्थानीय समाज के लोगों ने एक सुर में मंत्रोच्चार कर वातावरण को धर्ममय बना दिया। मंदिर प्रबंध समिति द्वारा संपूर्ण आयोजन की सुव्यवस्थित व्यवस्था की गई।

प्रमुख जनों की गरिमामयी उपस्थिति

इस मांगलिक अवसर पर समाज के कई प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे, जिनमें शामिल हैं:
पदम जैन बिलाला (प्रांतीय अध्यक्ष, धर्म जागृति संस्थान)
ज्ञान चंद जैन (संरक्षक)
शकुंतला बिंदायक्या (अध्यक्षा, दिगंबर जैन महिला समिति)
अनिता बिंदायक्या (अध्यक्षा, महिला मंडल)
प्रतीक जैन (मंत्री, युवा मंच)
महावीर प्रसाद एवं विनय सेठी (प्रबंध समिति पदाधिकारी)
परिवार के सदस्य सुरेश चंद, राकेश जैन, अंशु, तरुण, अनंत, सचिन, पुनीत, नरेश और मुकेश सहित फिरोजपुर से आए परिजनों ने भी इस धार्मिक महोत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लिया। समाज के लोगों ने जैन परिवार के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि धार्मिक संस्कारों के साथ वर्षगाँठ मनाना नई पीढ़ी के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है।

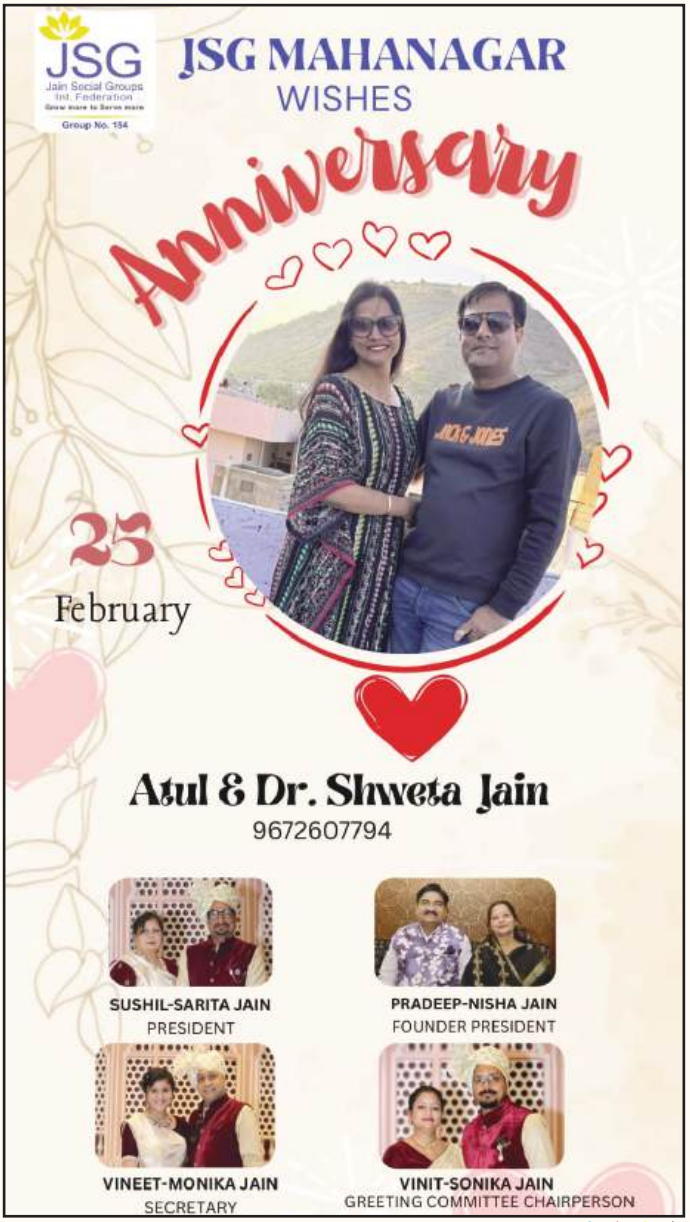

फागी कस्बे सहित परिक्षेत्र के जिनालयों में भगवान संभवनाथ का गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया

फागी. शाबाश इंडिया

फागी कस्बे सहित आसपास के चकवाड़ा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेड़ा, लसाड़िया एवं लदाना सहित विभिन्न क्षेत्रों के जिनालयों में जैन धर्म के तीसरे तीर्थंकर भगवान 1008 श्री संभवनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव श्रद्धा एवं उल्लासपूर्वक मनाया गया। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने जानकारी देते हुए बताया कि कस्बे के बीचला मंदिर स्थित पार्श्वनाथ जिनालय में प्रातः भगवान श्रीजी का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न कर अष्टद्रव्यों से विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की गई। इसके पश्चात आचार्य वर्धमान सागर महाराज, आचार्य इन्द्रनंदी महाराज, आचार्य चंद्रसागर महाराज, गणिनी आर्यिका ज्ञानमती माताजी, आर्यिका विशुद्धमती माताजी, आर्यिका श्रुतमती माताजी एवं आर्यिका सुबोधमती माताजी सहित पूवार्चार्यों के प्रति श्रद्धा अर्पित करते हुए अर्घ्य समर्पित किए गए। श्रद्धालुओं ने भगवान संभवनाथ के गर्भ कल्याणक पर अर्घ्य अर्पित कर सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की मंगल कामना की। समाज के सुरेंद्र चौधरी एवं कमलेश चौधरी ने बताया कि भगवान संभवनाथ जैन धर्म के तीसरे तीर्थंकर थे। उनका जन्म श्रावस्ती नगरी में राजा जितारी एवं माता रानी सुसेना के यहां हुआ था। उनका प्रतीक चिन्ह घोड़ा है। शास्त्रों के अनुसार उनके गर्भ में आने से छह माह पूर्व कुबेर द्वारा रत्नवृष्टि की गई थी। उन्होंने वन में शाल्मली वृक्ष के नीचे कार्तिक कृष्ण चतुर्थी को मोक्ष प्राप्त किया। कार्यक्रम में पंडित संतोष बजाज, पंडित कैलाश कडीला, सुरेंद्र चौधरी, राजेंद्र चौधरी, विमल कलवाड़ा, विमल चौधरी, प्रिंस चौधरी, कमलेश चौधरी, वीरेंद्र नला, राजाबाबू गोधा सहित संतरा चौधरी, गुणमाला चौधरी, संजू चौधरी, विश्वलता चौधरी, इलायची देवी मोदी, मंजू चौधरी, आशा मोदी, सुरभि चौधरी, टीना मोदी एवं ललिता बजाज सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहीं।

राजाबाबू गोधा
मीडिया प्रवक्ता, जैन महासभा राजस्थान

धर्म ही मुक्ति का मार्ग, गुरु वचन से जीवन होता सार्थक : प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। धर्म ही वह पावन पथ है जो भटके हुए जीव को सही दिशा प्रदान कर अंततः मुक्ति की ओर अग्रसर करता है। जीवन की अनिश्चितता को समझते हुए मनुष्य को समय रहते सजग हो जाना चाहिए। यह प्रेरक विचार प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने मंगलवार को चंद्रशेखर नगर स्थित रूपरजत विहार में आयोजित धर्मसभा के दौरान व्यक्त किए।

गुरु उपदेश और आचरण की महत्ता

श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए सुकन मुनि महाराज ने कहा कि मृत्यु और बुढ़ापे की दस्तक से पूर्व आत्म-कल्याण का मार्ग चुन लेना ही बुद्धिमानी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि व्यक्ति गुरु के एक भी वचन को हृदय से धारण कर ले और उसे अपने आचरण में उतार ले, तो उसका जीवन सार्थक हो जाता है। धर्म साधना केवल क्रिया नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और आंतरिक शांति का माध्यम है।

निश्चय और व्यवहार का संतुलन

धर्मसभा में डॉ. वरुण मुनि ने ''निश्चय और व्यवहार'' के सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आध्यात्मिक साधना की सार्थकता तभी है जब आंतरिक पवित्रता (निश्चय) और दैनिक व्यवहार (व्यवहार) के बीच संतुलन हो। केवल विचारों में धर्म का होना पर्याप्त नहीं है, जब वह आचरण में उतरता है तभी उसका वास्तविक प्रभाव दिखाई देता है।

णमोकार तीर्थ पर आस्था का सैलाब

जयकारों के बीच भगवान का महामस्तकाभिषेक प्रारंभ

चांदवड़/औरंगाबाद. शाबाश इंडिया। प्रसिद्ध धार्मिक स्थल 'णमोकार तीर्थ' में 13 फरवरी से महामस्तकाभिषेक महोत्सव अत्यंत उत्साह और अटूट श्रद्धा के साथ आयोजित किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर देश के विभिन्न कोनों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान के अभिषेक और शांतिधारा का पुण्य लाभ प्राप्त किया। यह भव्य आयोजन सारस्वताचार्य श्री देवनंदीजी महाराज, आचार्य श्री अमोघ कीर्तिजी एवं आचार्य श्री अमरकीर्तिजी के पावन सानिध्य व मार्गदर्शन में संपन्न हो रहा है।

प्रमुख सहभागिता और धार्मिक अनुष्ठान

महोत्सव के दौरान आयोजित अभिषेक की शृंखला में अनेक श्रद्धालुओं को सेवा का अवसर प्राप्त हुआ: **प्रथम जलाभिषेक:** सिद्ध परमेष्ठी भगवान के प्रथम जलाभिषेक का सौभाग्य सागर निवासी अभिषेक जैन को प्राप्त हुआ। उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच विधिवत अभिषेक संपन्न किया। **सौधर्म इंद्र:** पूजा के विधानों को सौधर्म इंद्र के रूप में प्रकाश जैन और नीरज जैन ने भक्तिभाव से पूर्ण किया। **विशेष अभिषेक:** हैदराबाद से पधारे बाबूलालजी सुनील, संजय पहाडे परिवार ने अरिहंत भगवान का जलाभिषेक किया। **सर्वऔषधि अभिषेक:** प्रचार-प्रसार संयोजक पारस लोहाडे, विनोद पाटनी एवं मनोज साहूजी परिवार ने सर्वऔषधि से भगवान का अभिषेक कर धर्म लाभ लिया।

भक्तिमय हुआ वातावरण

महामस्तकाभिषेक के समय संपूर्ण णमोकार तीर्थ परिसर 'अरिहंत' और 'सिद्ध' भगवान के जयकारों तथा वैदिक मंत्रोच्चार से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति को देखते हुए आयोजन समिति ने दर्शन, पूजन और आवास के पुख्ता इंतजाम किए हैं। अभिषेक के पश्चात भव्य आरती का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था। प्रचार-प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा और पियुष कासलीवाल (औरंगाबाद) ने बताया कि इस ऐतिहासिक आयोजन से संपूर्ण जैन समाज में हर्ष का वातावरण है। तीर्थ क्षेत्र पर प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं, जो श्रद्धालुओं की आध्यात्मिक चेतना को जागृत कर रहे हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादक: राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

कथनी और करनी की एकता ही वास्तविक संतत्व: अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी

भीलवाड़ा/जहाजपुर. शाबाश इंडिया

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज की 'अहिंसा संस्कार पदयात्रा' इन दिनों राजस्थान की पावन धरा पर गतिमान है। यह यात्रा दीक्षा भूमि परतापुर (बांसवाड़ा) की ओर बढ़ रही है। इसी शृंखला में भीलवाड़ा के भरनी क्षेत्र में गुरुभक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने वर्तमान जीवनशैली और आत्मिक आचरण पर गहरा प्रहार किया।

प्रवचन के मुख्य अंश: आचरण ही असली दर्पण है

आचार्य श्री ने समाज की बदलती मानसिक स्थिति पर चुटकी लेते हुए कहा, पुराने जमाने में लोग एक-दूसरे की हिम्मत बढ़ाते थे, और आजकल लोग एक-दूसरे का रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) बढ़ाते हैं। उन्होंने 'कथनी और करनी' की एकता पर बल देते हुए कहा कि जिस वक्ता के आचार और उच्चार में अंतर होता है, उसका बोलना और श्रोता का सुनना, दोनों व्यर्थ हैं। आचार्य श्री ने संतों और सामान्य वक्ताओं के बीच का भेद स्पष्ट करते हुए कहा कि पंडितों और नेताओं के भाषण केवल कानों तक पहुँचते हैं, जबकि साधु-संतों के वचन हृदय में उतरकर जीवन परिवर्तन का कारण बनते हैं। यदि वक्ता स्वयं आदर्शों के अनुरूप जीवन नहीं जीता, तो उसके उपदेश उस कागजी फूल के समान हैं जिसमें सुंदरता तो है, पर सुगंध नहीं। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि जिसके उच्चारण और आचरण के बीच खाई होती है, वह वास्तव में संत कहलाने का अधिकारी नहीं है। संत वह दर्पण है जिसमें मनुष्य अपनी भूलों और कमजोरियों को देखकर सुधार कर सकता है।

पदयात्रा का विवरण: परतापुर दीक्षा भूमि की ओर बढ़ते चरण

विश्व के सर्वश्रेष्ठ तपस्वियों में गिने जाने वाले आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज का ससंघ मंगल विहार निरंतर जारी है।

विहार अपडेट: 23 फरवरी 2026, सोमवार को प्रातः 6:30 बजे राजकीय विद्यालय, भरनी (भीलवाड़ा) से पदयात्रा प्रारंभ हुई।

अगला पड़ाव: यह यात्रा 11 किलोमीटर का विहार कर दिगंबर जैन मंदिर, पारोली पहुँची।

मंगल प्रवेश: सोमवार शाम को ही भीलवाड़ा जिले के प्रसिद्ध अतिशय क्षेत्र चँवलेश्वर पार्श्वनाथ में आचार्य श्री का भव्य मंगल प्रवेश संपन्न हुआ।

यह यात्रा नीमच और अंदेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ होते हुए अपने गंतव्य परतापुर, बांसवाड़ा की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर औरंगाबाद के नरेंद्र अजमेरा और पियुष कासलीवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुरु चरणों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं।

नचिकेतन मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल ऐलनाबाद में “आई टीच डे” एवं वार्षिक उत्सव का भव्य आयोजन

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया

नचिकेतन मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, ऐलनाबाद में ‘‘आई टीच डे’’ एवं वार्षिक उत्सव बड़े उत्साह, हर्ष और गरिमा के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन करते हुए उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि कक्षा नर्सरी से पांचवीं तक के विद्यार्थियों ने आई टीच डे के अंतर्गत अपनी-अपनी कक्षाओं के विषयों का चयन कर शिक्षक की भूमिका निभाई और यह प्रदर्शित किया कि कक्षा में अध्यापन किस प्रकार किया जाता है। नन्हें विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ शिक्षकों की भूमिका निभाते हुए प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं, जिसकी सभी ने मुक्त कंठ से सराहना की। कक्षा 6, 7 एवं 8 के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समारोह में रंग भर दिए। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत गिद्धा, भांगड़ा, ऑपरेशन सिंदूर तथा देशभक्ति से ओत-प्रोत आजादी विषयक प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। राजस्थानी नृत्य ने सांस्कृतिक विविधता की सुंदर झलक प्रस्तुत की। वहीं कक्षा 11 की छात्राओं ने भांगड़ा एवं यूनिटी इन डाइवर्सिटी विषय पर आकर्षक प्रस्तुति देकर राष्ट्रीय एकता और सद्भाव का संदेश दिया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में डॉ. सुरेंद्र गुप्ता, आर.आर. मेमोरियल के डायरेक्टर अनिल नेहरा, इंदु नेहरा, अंजनी लड्ढा, राज गुप्ता, उमा गुप्ता, मेघा गुप्ता एवं संतोष गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान जेईई मेन्स परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यालय के आठ विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को मंच पर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर पूरे विद्यालय परिवार ने गर्व व्यक्त किया। विद्यालय के डायरेक्टर वेद प्रिय गुप्ता, को-डायरेक्टर वेद मित्तर गुप्ता, सेक्रेटरी गुरमुख सिंह ढिल्लों एवं प्रिंसिपल सुजाता पारीक के कुशल मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफल आयोजन संपन्न हुआ। अंत में समस्त स्टाफ सदस्यों के सहयोग से कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। यह आयोजन विद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं सांस्कृतिक समृद्धि का जीवंत उदाहरण साबित हुआ।

महावीर इंटरनेशनल ने पुलिस लाइन में वितरित किए जीवन रक्षक किट; एसपी ने सराहा प्रयास

बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया

'सबकी सेवा, सबको प्यार' के ध्येय वाक्य के साथ महावीर इंटरनेशनल की नौगामा एवं बांसवाड़ा शाखा द्वारा संयुक्त रूप से पुलिस लाइन एवं पुलिस अधीक्षक (एसपी) कार्यालय में 'जीवन रक्षक किट' का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम जिला पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपत सिंह के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संस्था की ओर से अधिकारियों का उपरणा ओढ़ाकर सम्मान किया गया तथा 'महावीर प्रवाह' एवं 'सेवा से दोस्ती' पत्रिका के अंक भेंट किए गए।

तत्काल राहत देगा जीवन रक्षक किट

अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी ने बताया कि इस किट में तीन प्रकार की जीवन रक्षक गोलियां शामिल हैं। यदि किसी व्यक्ति को अचानक घबराहट, अत्यधिक पसीना, चक्कर या सीने में दर्द जैसे लक्षण (हार्ट अटैक की संभावना) दिखाई दें, तो ये दवाइयां अस्पताल पहुँचने तक उसे सुरक्षित रखने में मदद करती हैं।

प्रशासन ने की सराहना

एसपी सुधीर जोशी ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि एक छोटा सा प्रयास किसी का जीवन बचा सकता है, जो परम पुण्य का कार्य है। उन्होंने आगामी 15 मार्च को होने वाले 'जोन अधिवेशन' में आने की स्वीकृति भी प्रदान की।

प्रमुख जनों की उपस्थिति

गवर्निंग काउंसिल सदस्य सुरेश गांधी एवं महिला सशक्तिकरण की डिप्टी डायरेक्टर भुवनेश्वरी मालोत ने संस्था के सेवा प्रकल्पों और 'ई-चौपाल' की जानकारी दी। इस दौरान बांसवाड़ा सचिव मनोज जैन, महेंद्र जैन, उत्सव गांधी आदि सदस्यों ने सक्रिय सहयोग किया। पुलिस लाइन में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों को भी ये किट प्रदान किए गए।

इंटरनेशनल रोटरी दिवस पर रोटरी क्लब बरवाला ने लगाया मीठे चावल का भंडारा

हरियाणा/हिसार (राजेश सलूजा)

इंटरनेशनल रोटरी दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब बरवाला द्वारा मंगलवार को पुराना बस स्टैंड, बरवाला में भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान मीठे चावल का भोग लगाकर राहगीरों एवं शहरवासियों को प्रसाद वितरित किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर सेवा कार्य की सराहना की। आयोजन स्थल पर सुबह से ही लोगों की आवाजाही बनी रही और क्लब सदस्यों ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सेवा कार्य में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान क्लब अध्यक्ष ओमप्रकाश वधवा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी नेक कमाई का दसवां हिस्सा समाज सेवा एवं पुण्य कार्यों में लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी सेवा भावना के साथ रोटरी परिवार द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया है और भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे। उन्होंने आमजन से ऐसे सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। इस अवसर पर सुरेश जावा, कोषाध्यक्ष अमन मेहता, सचिव डॉ. अभिषेक सरदाना, मनोज कथरिया, सरदार बेअंत सिंह, मनोहर जावा, तुषार वधवा, चिराग वधवा, राजेश मनुजा, देवेंद्र गिल, अर्पित जावा, परमिंद्र तूर, सतपाल सोनी, भीम कटु एवं राजकुमार बजाज सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

चंपापुर सिद्ध क्षेत्र में अष्टान्हिका महापर्व का मंगल आगाज

भक्तों ने मनाया श्री संभवनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक

चंपापुर. शाबाश इंडिया। फाल्गुन शुक्ल अष्टमी, मंगलवार (24 फरवरी 2026) से जैन धर्म के पवित्र अष्टान्हिका महापर्व का उत्साहपूर्वक शुभारंभ हो गया। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र चंपापुर में 'भव्य जीवों' का सैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने 1008 भगवान वासुपूज्य स्वामी का अभिषेक, शांतिधारा और सामूहिक पूजन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। आज का दिन दोहरे हर्ष का प्रतीक रहा, क्योंकि सिद्ध क्षेत्र में वर्तमान चौबीसी के तृतीय तीर्थंकर 1008 श्री संभवनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव भी श्रद्धापूर्वक मनाया गया। महापर्व के उपलक्ष्य में सिद्ध क्षेत्र के 'पंच बाल्याती परिसर' में दिल्ली से आए यात्री परिवार द्वारा विशेष सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन किया जा रहा है, जो फाल्गुन पूर्णिमा (3 मार्च) तक चलेगा। क्षेत्र कमेटी के सदस्य श्री सुमित जैन ने जानकारी दी कि महापर्व के दौरान देश भर से आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए आवास और शुद्ध भोजन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। भक्तिमय भजनों और मंत्रोच्चार से संपूर्ण चंपापुर क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर नजर आ रहा है।

नसिया जी में अष्टान्हिका महापर्व का शुभारंभ

सिद्धचक्र महामंडल विधान के साथ सजा सिद्धों का दरबार

इंदौर (मध्य प्रदेश). शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, जबरी बाग नसिया जी में फाल्गुन मास के अष्टान्हिका महापर्व का भव्य मंगल आगाज हुआ। महापर्व के प्रथम दिवस पर आज से 'सिद्धचक्र महामंडल विधान' प्रारंभ किया गया, जिससे संपूर्ण मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया है। खनियाधाना के विद्वान पंडित श्री संस्कार शास्त्री जी के कुशल निर्देशन में धार्मिक क्रियाएं संपन्न की जा रही हैं। महोत्सव की शुरूआत श्रीजी के अभिषेक और शांतिधारा के साथ हुई, जिसके पश्चात भव्य घट यात्रा निकाली गई। इसके साथ ही ध्वजारोहण, इंद्र प्रतिष्ठा, मंडप प्रतिष्ठा और जाप कलश स्थापन के विधान पूर्ण किए गए, तत्पश्चात सामूहिक पूजन का शुभारंभ हुआ। समाज के दीपक जैन एवं मीडिया प्रभारी व स्वतंत्र लेखक हरिहर सिंह चौहान ने बताया कि आठ दिनों तक चलने वाले इस अनुष्ठान में श्रद्धालु भक्तिभाव से सिद्धों की आराधना करेंगे। मंदिर प्रबंध समिति द्वारा भक्तों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

शालीमार एन्क्लेव जैन मंदिर में श्रद्धा-भक्ति के साथ चल रहा श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान

आगरा. शाबाश इंडिया। कमला नगर स्थित शालीमार एन्क्लेव के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में अष्टानिका महापर्व के पावन अवसर पर आयोजित श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान धार्मिक उल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न हो रहा है। यह आयोजन 23 फरवरी से 3 मार्च तक उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज एवं मुनि श्री विश्वसाम्य सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में पुण्यशाली पारस जैन कंसल एवं मधु जैन कंसल परिवार के सौजन्य से आयोजित किया जा रहा है। विधान के दूसरे दिन मंगलवार, 24 फरवरी को कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 8 बजे भगवान आदिनाथ के अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ हुआ। इसके पश्चात बाल ब्रह्मचारी आशीष भैया जी के कुशल निर्देशन में विधान के पात्रों ने अष्टद्रव्यों के साथ श्रीजी के समक्ष मंडल पर आठ अर्घ्य अर्पित कर सभी मांगलिक क्रियाएं विधि-विधानपूर्वक संपन्न कीं। सायंकालीन सत्र में मंदिर परिसर भक्ति रस से सराबोर हो उठा, जब उपस्थित श्रद्धालुओं ने संगीतमय वातावरण में प्रभु आदिनाथ की मंगल आरती कर धर्मलाभ प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आध्यात्मिक भावनाओं का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर पारस जैन कंसल, संभव जैन कंसल, गौरव जैन, विनीत जैन, अभिषेक जैन, अजीत जैन, महावीर प्रसाद जैन, राजकुमार 'गुड्डू' जैन, राजू गोधा, संजू गोधा, मधु जैन कंसल, अनामिका जैन, अनुभूति जैन, कीर्ति जैन, संगीता जैन, वैशाली जैन, शशि जैन, मिथलेश जैन सहित कमला नगर जैन समाज के अनेक श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। **रिपोर्ट : शुभम जैन**

जयपुर में गो-काष्ठ से होलिका दहन: सामाजिक संकल्प और प्रशासनिक दूरदर्शिता का संगम

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर में गाय के गोबर, उपलों और गो-काष्ठ से होलिका दहन का जो व्यापक अभियान आज एक सशक्त सामाजिक पहल बना है, वह कुशल नेतृत्व और प्रशासनिक मार्गदर्शन का ही सुखद परिणाम है। इस संपूर्ण अभियान की कमान नवीन कुमार भंडारी ने एक स्पष्ट विजन के साथ संभाली। उन्होंने इस विषय को केवल धार्मिक परंपरा तक सीमित न रखकर, इसे पर्यावरण संरक्षण और गौ-सेवा से जोड़कर एक जन-आंदोलन का रूप दिया। भंडारी ने गौशालाओं, युवा संगठनों और महिला समूहों के साथ निरंतर संवाद स्थापित कर 'लकड़ी बचाओ-पेड़ बचाओ' का संदेश घर-घर पहुँचाया। उन्होंने व्यक्तिगत प्रेरणा और सघन

जनसंपर्क के माध्यम से यह सुनिश्चित किया कि लोग गो-काष्ठ के उपयोग के लाभों—जैसे गौशालाओं की आत्मनिर्भरता और प्रदूषण मुक्ति—को समझ सकें। इस अभियान की सफलता में जयपुर के उपमहापौर पुनीत कर्णावट का संरक्षण और मार्गदर्शन अत्यंत निर्णायक रहा। उनके प्रशासनिक सहयोग और निरंतर प्रोत्साहन के कारण ही इस विचार को नगर स्तर पर व्यापक स्वीकार्यता मिली। उन्होंने इस पहल को शहर के पर्यावरणीय हित में एक आवश्यक कदम के रूप में प्रोत्साहित किया, जिससे यह अभियान संगठित रूप से विभिन्न वार्डों में प्रभावी ढंग से लागू हो सका। जयपुर जैसे महानगर में इस नई परंपरा की स्थापना यह सिद्ध करती है कि जब पुनीत कर्णावट जैसा प्रशासनिक समर्थन और नवीन कुमार भंडारी जैसा समर्पित सामाजिक नेतृत्व एक साथ आता है, तो बड़े सकारात्मक परिवर्तन संभव होते हैं। आज जयपुर का यह सामूहिक प्रयास पूरे प्रदेश के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण बन चुका है।

लगभग 2500 किलोमीटर की पदयात्रा पूर्ण कर उपाध्याय श्री 108 वृषभानंद जी मुनिराज का झुमरीतिलैया में भव्य मंगल प्रवेश

झुमरीतिलैया/कोडरमा. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री 108 बसूनंदी जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य उपाध्याय श्री 108 वृषभानंद जी मुनिराज ससंघ (चार पिच्छीधारी मुनिराज) का मंगलवार प्रातः झुमरीतिलैया (कोडरमा) में भव्य मंगल प्रवेश श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। लगभग 2500 किलोमीटर की पदयात्रा पूर्ण कर संघ के नगर आगमन को श्री दिगंबर जैन समाज के लिए सौभाग्यपूर्ण अवसर माना जा रहा है। ज्ञात हो कि मुनिराज ससंघ का मंगल चातुर्मास जयपुर में सम्पन्न हुआ था। दीपावली के पश्चात संघ ने पैदल मंगल विहार प्रारंभ करते हुए दिल्ली, इलाहाबाद, मथुरा, अयोध्या, वाराणसी, राजगीर एवं पावापुरी जैसे तीर्थों से होते हुए झुमरीतिलैया पहुंचकर नगर को धर्ममय वातावरण से आलोकित किया। गुरु संघ की अगवानी शहर के मुख्य द्वार से बैंड-बाजों, महिलाओं द्वारा मंगल कलश एवं पंचरंगा ध्वज के साथ की गई। श्रद्धालुओं ने 108 फीट लंबा पंचरंगा ध्वज लेकर नगर भ्रमण किया और गुरु संघ को शोभायात्रा के रूप में बड़े दिगंबर जैन मंदिर तक लाया गया। मंदिर पहुंचने पर सर्वप्रथम भगवान 1008 चंद्रप्रभु का मस्तकाभिषेक एवं गुरु मुख से शांतिधारा संपन्न हुई। चंद्रप्रभु भगवान का निर्वाण लड्डू अशोकझबिनोद अर्हम कथांस अजमेरा एवं सुरेंद्रझसरिता जैन काला परिवार द्वारा अर्पित किया गया। इसके पश्चात गुरु संघ ने मंदिर दर्शन किए और सरस्वती भवन पहुंचे, जहां समाज की ओर से सह मंत्री राज जैन छाबड़ा ने साथ चल रहे श्रद्धालुओं एवं भक्तों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुनि श्री 108 शिवानंद जी मुनिराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि यहां के भक्तों में गुरु के प्रति अद्भुत समर्पण भाव देखने को मिला, जो लगभग 50 किलोमीटर पूर्व से ही संघ के साथ कदम से कदम मिलाकर पैदल चल रहे थे। उपाध्याय श्री 108 वृषभानंद जी मुनिराज ने प्रवचन में कहा कि धर्म जीवन जीने की कला सिखाता है। यह मानव से महान, महान से महात्मा और महात्मा से परमात्मा

बनने की यात्रा का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा कि संत समागम मनुष्य को सत्यमार्ग पर चलने और श्रेष्ठ कर्म करने की प्रेरणा देता है। ''संत वही है जो सत्य, सम्यक विचार और सदाचार की ओर ले जाए।'' गुरुदेव ने अपने उद्बोधन में समय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सबसे बड़ी पूजा समय का सम्मान करना है। जिसने समय का सम्मान किया, उसने आत्मा की पूजा की। इतिहास में जितने भी महान व्यक्ति हुए हैं, वे समय के सदुपयोग के कारण ही महान बने। कार्यक्रम में समाज के बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिला श्रद्धालु उपस्थित रहे। मंच संचालन स्थानीय पंडित अभिषेक शास्त्री ने किया। संघ के संघपति हिमांशु जैन पूरे विहार के दौरान व्यवस्थाओं का संचालन कर रहे हैं। मीडिया प्रभारी राजकुमार जैन अजमेरा एवं नवीन जैन ने बताया कि संध्या समय 48 मंडलीय दीपकों के साथ भक्तामर विधान का आयोजन किया जाएगा।

गोलोक धाम में सिद्धचक्र महामंडल विधान का मंगल आगाज; जीव दया और प्रकृति संरक्षण का गूंजा संदेश

जयपुर/निमोड़िया. शाबाश इंडिया

चाकसू के निमोड़िया स्थित गोलोक धाम में अष्टान्हिका महापर्व के पावन अवसर पर सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य शुभारंभ हुआ। राष्ट्र संत आचार्य श्री प्रज्ञासागरजी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में आयोजित इस महोत्सव में भक्ति, जीव दया और पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संगम देखने को मिला।

धार्मिक अनुष्ठान और पुण्यार्जन

विधान के आयोजक पारसमल जैन ने बताया कि मंगलवार सुबह मंगल भजनों और मंत्रोच्चार के बीच भव्य घटयात्रा निकाली गई। इसके पश्चात भक्तिमय वातावरण में ध्वजारोहण संपन्न हुआ, जिसका सौभाग्य पारसमल, अमित कुमार एवं पवन कुमार बकलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ। विधान की समस्त क्रियाएं पंडित श्रेयश जैन (पिंडरई) ने विधिपूर्वक संपन्न करवाईं, जबकि इंदौर के जैनम जैन ने अपनी मधुर आवाज में संगीतमय पूजन कराकर भक्तों को भावविभोर कर दिया।

आचार्य श्री का पावन उद्बोधन: 'आत्म-मूल्यांकन ही वास्तविक धर्म'

इस अवसर पर आचार्य प्रज्ञासागरजी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि अष्टान्हिका पर्व आत्मशुद्धि और मोक्षमार्ग की प्रेरणा का समय है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को सभी सांसारिक चिंताओं से मुक्त होकर कुछ समय स्व-कल्याण और जीवन के मूल्यांकन के लिए देना चाहिए। आप स्वयं को जितना बेहतर जानते हैं, उतना कोई और नहीं जान सकता। उन्होंने 'गोलोक धाम' की परिकल्पना

को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह केंद्र जीव दया, करुणा और प्रकृति संरक्षण का वैश्विक संदेश प्रसारित करेगा। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे भौतिकता की दौड़ से बाहर निकलकर गौ-सेवा और पर्यावरण सेवा के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ें।

गौ-सेवा और पौधरोपण का संकल्प

निमोड़िया ग्राम की सरपंच पलक अमित जैन ने बताया कि महापर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं ने न केवल भक्ति का लाभ लिया, बल्कि गौ-सेवा का पुण्य भी अर्जित किया। सभी उपस्थित जनों ने पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधरोपण करने का सामूहिक संकल्प लिया। आयोजन समिति के प्रतिनिधि अरुण जैन सेठी ने जानकारी दी कि बुधवार प्रातः 7 से 11 बजे तक विधान की मुख्य क्रियाएं होंगी और सायंकाल में भव्य 'आनंद यात्रा' निकाली जाएगी। इस अवसर पर प्रदेशभर से आए श्रद्धालुओं ने आचार्यश्री के चरणों में वंदना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

भक्ति और पुष्पों की वर्षा के बीच 'अर्हम फाउंडेशन' का फाग उत्सव संपन्न

राधा-कृष्ण की मनमोहक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

जयपुर. शाबाश इंडिया। सामाजिक सेवा और सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति समर्पित 'अर्हम फाउंडेशन' द्वारा आयोजित फाग उत्सव मंगलवार को श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस उत्सव में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर आपसी एकता और प्रेम के इस पर्व को यादगार बनाया। अंजू झालानी ने बताया कि उत्सव की शुरूआत परंपरा के अनुरूप हुई, जहाँ सभी आगंतुकों का गुलाल और चंदन का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सभी ने स्वल्पाहार का आनंद लिया।

राधा-कृष्ण की सुंदर प्रस्तुति

उत्सव का मुख्य आकर्षण शिल्पा बंसल और रीना अग्रवाल द्वारा दी गई राधा-कृष्ण की नृत्य प्रस्तुति रही, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मधु मालपानी और नीलम ने आयोजन स्थल की मनमोहक सजावट कर पूरे वातावरण को उत्सव के रंग में सराबोर कर दिया।

लड्डू गोपाल संग फूलों की होली

विशेष रूप से आमंत्रित राधा-कृष्ण मंडली के भक्ति संगीत ने समां बांध दिया। इस अवसर पर श्रद्धालु अपने साथ लड्डू गोपाल को लेकर आए और उनके साथ फूलों की होली खेली। रंग-बिरंगे फूलों की वर्षा और भजनों की मधुर धुनों के बीच पूरा परिसर भक्तिरस में डूबा नजर आया। अर्हम फाउंडेशन की ओर से सभी के लिए स्वादिष्ट और शुद्ध भोजन की व्यवस्था की गई। संस्था के सदस्यों ने बताया कि इस फाग उत्सव का उद्देश्य समाज में सौहार्द और धार्मिक मूल्यों को बढ़ावा देना है। सफल आयोजन के साथ यह उत्सव श्रद्धा, उल्लास और आनंद का प्रतीक बनकर संपन्न हुआ।

जयपुर जैन समाज ने आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ससंघ को जयपुर आगमन एवं प्रवास हेतु श्रीफल भेंट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। छोटा गिरनार बापूगांव, चाकसू स्थित आदिश्वर धाम एवं तपोभूमि के प्रणेता, राजकीय अतिथि राष्ट्र संत आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर महाराज ससंघ को जयपुर आगमन एवं प्रवास हेतु जयपुर जैन समाज की ओर से श्रद्धापूर्वक श्रीफल भेंट कर निवेदन किया गया। इस अवसर पर पूरा वातावरण भगवान नेमिनाथ के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने जानकारी देते हुए बताया कि आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ससंघ वर्तमान में चाकसूझनिमोडिया रोड स्थित नवनिर्मित गोशाला 'गोलोक धाम' में प्रवासरत हैं। आचार्य श्री के सान्निध्य में यहां पहली बार अष्टानिका महापर्व का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार से आठ दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का विशेष आयोजन प्रारंभ किया गया है। जयपुर से गए जैन समाज के 21 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने पदमपुरा अतिशय क्षेत्र के दर्शन करने के पश्चात गोलोक धाम, निमोडिया रोड पहुंचकर संघस्थ चैत्यालय के दर्शन किए तथा आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ससंघ के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किए। इस दौरान श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री को जयपुर आगमन एवं प्रवास के लिए श्रीफल भेंट कर निवेदन किया। इस अवसर पर मुनिभक्त चिंतामणि बज, राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, शिखरचंद कासलीवाल, दुगार्पुरा जैन मंदिर के अध्यक्ष प्रकाशचंद चांदवाड़, मंत्री राजेंद्र काला, प्रताप नगर सेक्टर-8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अध्यक्ष धर्मचंद पराणा, राजस्थान जैन सभा जयपुर के कार्यकारिणी सदस्य जिनेंद्र जैन 'जीतू', चेतन जैन निमोडिया, मुनिभक्त निर्मल पाटोदी, कमल चांदवाड़, राष्ट्रीय गुरु आस्था परिवार के प्रांतीय अध्यक्ष देवेंद्र बाकलीवाल, छोटा गिरनार अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष प्रणामचंद बाकलीवाल, महामंत्री पारसमल जैन, ओम कटारिया, भागचंद जैन, सुरेश बाकलीवाल, नरेश बाकलीवाल, अरुण सेठी, मीनू बाकलीवाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर आचार्य श्री ने श्रद्धालुओं को शीघ्र ही जयपुर आगमन का आशीर्वाद प्रदान किया। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आचार्य श्री के सान्निध्य में बापूगांव में सिद्ध क्षेत्र गिरनार जी के प्रतिरूप 'छोटा गिरनार पर्वत' तथा चाकसू में आदिश्वर धाम का निर्माण अल्प समय में पूर्ण हुआ है। वर्तमान में देशभर से श्रद्धालु इन दोनों पवित्र क्षेत्रों के दर्शनार्थ पहुंच रहे हैं। — **विनोद जैन कोटखावदा**

राजाखेड़ा में श्री चंद्रप्रभु विधान का भव्य आयोजन सम्पन्न

राजाखेड़ा (मनोज जैन नायक). शाबाश इंडिया

चंबल की संस्कारधानी एवं धर्मपरायण नगरी राजाखेड़ा में श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, पटवारी गली में भगवान चंद्रप्रभु के मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर श्री चंद्रप्रभु विधान का भव्य एवं श्रद्धामय आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातःकाल घटयात्रा के साथ हुआ। इसके पश्चात प्रथम अभिषेक का सौभाग्य अक्षत जैन एवं नवनीत जैन कोठारी को प्राप्त हुआ, जबकि श्रीजी की शांतिधारा का पुण्य लाभ शैलेंद्र कुमार 'बंटी' जैन टांक परिवार (आगरा) तथा मुकेश कुमार-रवि कुमार जैन नायक परिवार (राजाखेड़ा) को प्राप्त हुआ। अभिषेक एवं शांतिधारा के उपरांत श्रावक-श्राविकाओं ने अत्यंत भक्तिभाव के साथ विधान की पूजन-अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित किया। इस अवसर पर मुकेश जैन पटवारी ने कहा कि यह अत्यंत पुण्य का उदय है कि भगवान चंद्रप्रभु के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर इतनी विशुद्धि एवं श्रद्धा के साथ विधान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। विधान का आयोजन पंडित शुभम शास्त्री (ग्वालियर) के कुशल निर्देशन में विधि-विधानपूर्वक एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की संध्या बेला में बच्चों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया। इस दौरान झम्मनलाल जैन, राकेश जैन, ललित जैन, यश जैन, अंचित जैन, राजाबाबू जैन, विकास जैन, बिजेंद्र जैन, अश्वनी जैन, एडवोकेट दीपक जैन, प्रदीप जैन, प्रवीण जैन, विवेक जैन, मनोज जैन, संजीव जैन, गौरव जैन, लोकेश जैन, राहुल नायक, मक्खनलाल जैन, विजय जैन, नीटू जैन, सतीश कोठारी, विपिन जैन, मुकेश पटवारी, महेशचंद चौधरी, सुरेशचंद 'गुझिया वाले', सौरव जैन म्यूजिकल ग्रुप सहित समाज के सैकड़ों महिला-पुरुष एवं बच्चों की उपस्थिति रही।

निशुल्क मिर्गी रोग शिविर में 155 रोगी लाभान्वित; लुणावत परिवार ने प्रदान की सेवाएं

गुलाबपुरा (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

श्री प्राज्ञ मिर्गी रोग निवारक समिति द्वारा माह के चतुर्थ मंगलवार (24 फरवरी 2026) को निशुल्क चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया गया। संस्था के मंत्री पदम चंद खटोड़ ने बताया कि शिविर में जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल के वरिष्ठ न्यूरो फिजिशियन डॉ. आर. के. सुरेखा एवं उनकी टीम ने 155 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें निशुल्क दवाएं वितरित कीं, जिनमें 20 नए रोगी शामिल थे। इस मानवीय पहल के मुख्य लाभार्थी ब्यावर निवासी प्रेमचन्द, माणक चन्द, पवनकुमार, कमलकुमार एवं पुनीतकुमार लुणावत परिवार रहे। शिविर में अनिल चौधरी ने योग और नियमित दिनचर्या के माध्यम से मिर्गी रोग से बचाव के गुर सिखाए। लुणावत परिवार की ओर से पूरे फरवरी माह के लिए मरीजों एवं उनके परिजनों हेतु निशुल्क भोजन सेवा भी प्रदान की गई, जिससे 300 से अधिक लोग लाभान्वित हुए। संस्था अध्यक्ष घेवर चंद श्रीश्रीमाल ने अतिथियों का स्वागत किया और कोषाध्यक्ष राजेन्द्र चोरड़िया ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर देवकरण कोठारी, मूलचंद नाबेडा और पारस बाबेल सहित अनेक गणमान्य जनों ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर के दौरान भीलवाड़ा निवासी पुखराज शोभित बुरड़ द्वारा आगामी कैंप की घोषणा भी की गई।

ऐतिहासिक सिद्ध क्षेत्र कमलदह जी में आचार्य वसुनंदी जी का मंगल प्रवेश: एक आध्यात्मिक संगम

विशेष आलेख: पदम जैन बिलाला

वात्सल्य रत्नाकर, प्राकृत भाषा चक्रवर्ती आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महामुनिराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश मंगलवार, 24 फरवरी को श्री कमलदह दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र, पटना में संपन्न हुआ। उत्तर प्रदेश के अहिक्षत्र पार्श्वनाथ से पद विहार करते हुए, नेपाल के जनकपुर के मार्ग से आचार्य श्री इस पावन निर्वाण स्थली पर पहुँचे हैं।

मुनि सुदर्शन स्वामी की मोक्ष स्थली: ऐतिहासिक महत्व

गुलजारबाग रेलवे स्टेशन के समीप 'सुदर्शन पथ' पर स्थित यह क्षेत्र जैन धर्म के इतिहास में मील का पत्थर है। 18वीं शताब्दी (1729 ई.) का यह अति प्राचीन मंदिर मुनि सुदर्शन स्वामी की मोक्ष स्थली के रूप में विश्व विख्यात है। यहाँ उनके प्राचीन चरण चिन्ह स्थापित हैं, जिनके दर्शन मात्र से श्रद्धालु स्वयं को धन्य मानते हैं।

ऋषियों की कर्मभूमि और मौर्यकालीन संबंध

बिहार राज्य दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अंतर्गत आने वाला यह मनोहारी क्षेत्र केवल सुदर्शन स्वामी ही नहीं, बल्कि अंतिम श्रुतकेवली भद्रबाहु और 'तत्वार्थ सूत्र' के रचयिता आचार्य उमास्वामी की भी कर्मभूमि रहा है। इतिहासकार डॉ. एम. रहमान के अनुसार, इस मंदिर का संबंध मौर्यकाल और सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य से भी जुड़ा है, जो जैन धर्म और मौर्य वंश के गहरे संबंधों को प्रमाणित करता है।

क्षेत्र की संरचना और प्रतिमाएं

धर्म जागृति संस्थान के कोषाध्यक्ष पंकज लुहाड़िया, परी एवं महीप जैन (जयपुर) से प्राप्त जानकारी के अनुसार: यह क्षेत्र ईंटों के एक ऊंचे टीले पर स्थित है, जो कभी कमल सरोवरों से घिरा हुआ था। यहाँ काले पाषाण से निर्मित मूलनायक भगवान नेमिनाथ स्वामी और महामुनि सुदर्शन स्वामी की भव्य प्रतिमाएं विराजमान हैं। क्षेत्र में पद्मावती माता की अत्यंत सुंदर प्रतिमा भी स्थापित है।

आधुनिक सुविधाएं और धार्मिक आयोजन

सिद्ध क्षेत्र में तीर्थयात्रियों के विश्राम हेतु आधुनिक धर्मशाला एवं सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। प्रतिवर्ष पौष शुक्ल पंचमी को यहाँ निर्वाण महोत्सव अत्यंत धूमधाम से मनाया जाता है। आचार्य श्री वसुनंदी जी के सान्निध्य में यहाँ शांति और ध्यान का जो वातावरण निर्मित हुआ है, वह आत्म-कल्याण के मार्ग को और अधिक प्रशस्त करेगा।

लेखक: पदम जैन बिलाला
प्रांतीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान (राजस्थान)

सिद्धों की निर्वाण भूमि तारंगा जी में सिद्धचक्र महामंडल विधान का मंगल शंखनाद

शाबाश इंडिया

अरावली की पर्वतमालाओं से सुशोभित और साढ़े तीन करोड़ मुनिराजों की निर्वाण स्थली श्री दिगंबर जैन सिद्धक्षेत्र कोठी, तारंगा जी में अष्टान्हिका महापर्व के पावन अवसर पर सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य शुभारंभ हुआ। यह धार्मिक अनुष्ठान आचार्य श्री 108 आर्जवसागर जी महामुनिराज, आर्यिका श्री 105 पवित्रमति माताजी एवं आर्यिका श्री 105 सुदृढ़मति माताजी ससंघ के पावन सान्निध्य में 4 मार्च तक आयोजित किया जाएगा।

घटयात्रा एवं ध्वजारोहण के साथ उत्सव का प्रारंभ

विधान के प्रथम दिन श्रद्धा और भक्ति के साथ भव्य घटयात्रा निकाली गई। इसके पश्चात श्रीमती अनिलाबेन कमलेशभाई दोशी (ननानपुर) द्वारा ध्वजारोहण की मांगलिक क्रिया संपन्न की गई। विधान की समस्त धार्मिक क्रियाएं विधान विधाता पंडित श्री शैलेंद्र शास्त्री के कुशल निर्देशन में संपन्न हो रही हैं। इस अवसर पर बाल ब्रह्मचारी ऋषिका दीदी (दमोह) द्वारा आचार्य भगवन का पावन पूजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आचार्य श्री का अमृत उद्बोधनः भक्ति में मुक्ति की शक्ति

सिद्धचक्र महामंडल विधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए

आचार्य श्री आर्जवसागर जी ने कहाः

''सिद्धचक्र अर्थात सिद्ध परमेष्ठियों के समूह की आराधना। प्रभु की भक्ति में वह अपार शक्ति है जो जीव के लिए मुक्ति का द्वार खोल देती है। यह वही महान अनुष्ठान है, जिसके प्रभाव से मैनासुंदरी ने राजा श्रीपाल सहित 700 रोगियों का कुष्ठ रोग दूर किया था।'' आचार्य श्री ने अपने पुराने संस्मरणों को साझा करते हुए बताया कि तारंगा जी की पावन धरा पर पूर्व में उनके सान्निध्य में अनेक दीक्षाएं और अनुष्ठान संपन्न हुए हैं। उन्होंने आह्वान किया कि इन आठ दिनों में श्रद्धापूर्वक की गई साधना पुण्य वृद्धि और कर्मों की निर्जरा में सहायक होती है।

रिपोर्ट:अभिषेक जैन लुहाड़िया, रामगंजमंडी
संपर्क :9929747312

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर का नववर्ष मिलन कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर, जयपुर द्वारा 22 फरवरी 2026 को नववर्ष का प्रथम मिलन समारोह कान्हा तनसुख, सी-स्कीम में उत्साह एवं उल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक विनोद किरण झांझरी एवं चंद्रप्रकाश चंदा छाबड़ा ने सभी सदस्यों का रंग-बिरंगी गुलाल से तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम में ग्रुप के संस्थापक अनिल जैन एवं शशि जैन, अध्यक्ष सुशीला विनोद बड़जात्या, निवर्तमान अध्यक्ष सुनील सुमन बज, सचिव महावीर मुन्नादेवी पांड्या, कोषाध्यक्ष निर्मल उषा सेठी, सह सचिव राजेंद्र छारेड़ा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। संयोजकों द्वारा होली की थीम पर मनोरंजक हाउजी एवं विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर सुनील सुमन बज, अशोक कुसुम छाबड़ा, प्रवीण उमा सेठी, अजय आभा जैन, सतेंद्र ममता काला, चेतन रेखा जैन, बेनीचंद पुष्पा अजमेरा, भागचंद मीना जैन, अजित इंदु सोगानी तथा धर्मचंद शैलबाला की वैवाहिक वर्षगांठ पर सभी सदस्यों ने शुभकामनाएं एवं बधाई दी। ग्रुप की ओर से नववर्ष के उपलक्ष्य में सभी महिला सदस्यों को जैकेट वितरित की गई। चेतन रेखा जैन ने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों को आयुर्वेदिक उपहार प्रदान किए। ग्रुप अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या ने प्रत्येक सदस्य को अमर जैन अस्पताल का स्वास्थ्य सुरक्षा कार्ड प्रदान किया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संयोजकों को कार्यक्रम के सुंदर संचालन हेतु धन्यवाद दिया।